राज्यपाल का अभिभाषण पक्ष और प्रतिपक्ष ने शांतिपूर्ण सुना

- अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के फ्लोर मैनेजमेंट के प्रयास लाए रंग
- विधायक मुकेश भाकर का निलंबन रद्द

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के राज्यपाल अभिभाषण का शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए उनके द्वारा किये गये फ्लोर मैनेजमेंट के प्रयासों से विधान सभा सदन के गुलाबी रंग में और अधिक निखार आ गया। राज्यपाल का अभिभाषण पक्ष व प्रतिपक्ष के सभी सदस्यों ने शांतिपूर्ण ढंग से सुनकर प्रदेश की आठ करोड़ जनता के सामने सदन की गरिमा और मर्यादा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया।

राज्यपाल के अभिभाषण के शांतिपूर्ण तरीके से कराने में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल रही। उन्होंने गुरुवार को सदन से निलम्बित विधायक मुकेश भाकर को मुलाकात के दौरान समझाया। विधायक भाकर ने अपनी गलती को स्वीकार करते हुए अध्यक्ष देवनानी से भविष्य में ऐसा व्यवहार नहीं करने का वायदा किया। देवनानी से प्रतिपक्ष के प्रमुख लोगों के दल ने मुलाकात की और उनसे आग्रह किया कि ऐसी घटना की पुनरावर्ती नहीं होगी। प्रतिपक्ष के सदस्यों के इस अनुरोध पर अध्यक्ष देवनानी ने भाकर के निलम्बन को रद्द करने का मानस बनाया और इसका रास्ता निकाला।

सदन में शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण और राज्यपाल द्वारा लौटाए गए अध्यादेशों की जानकारी देने के बाद विधायक भाकर के निलम्बन को रद्द करने का प्रस्ताव लाया गया। प्रस्ताव को पारित होने की तुरन्त बाद शोकाभिव्यक्ति सदन में हुई। अब तीन फरवरी से विधायक भाकर सोलहवीं विधान सभा के तृतीय अधिवेशन में भाग ले पाएंगे। विधायक भाकर के निलम्बन से प्रतिपक्ष राज्यपाल अभिभाषण के समय हंगामा कर सकता था। इसी को देखते हुए अध्यक्ष देवनानी ने सदन के शांतिपूर्ण महौल और उसकी गरिमा को बनाये रखने के लिए रणनीति बनाई और वे इसमें सफल भी हुए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विधानसभा में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के कक्ष में गये और उनका पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया और शांतिपूर्ण तरीके से राज्यपाल अभिभाषण को सम्पन्न कराने के लिए अध्यक्ष का आभार भी ज्ञापित किया।

अध्यक्ष देवनानी की पक्ष और प्रतिपक्ष के मध्य निभाई गई इस बेहतर भूमिका की विधानसभा के प्रत्येक सदस्य ने प्रशंसा की। इससे पहले अनेक बार सदन में अभिभाषण के दौरान हंगामा रहा लेकिन इस बार अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के प्रयासों से सदन गुलाबी हो गया।

राज्य में योग आयोग के गठन को लेकर प्रस्ताव किया पारित

जयपुर। भारत के सभी योग संगठनों के समुच्चय एवं योग के मुख्य संगठन इंडियन योग एसोसिएशन की राजस्थान कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन राष्ट्रीय महासचिव एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार की गवर्निंग कॉन्सिल के सदस्य सुबोध तिवारी की अध्यक्षता में बप्पा रावल सभागार में हुआ। बैठक में संपूर्ण राजस्थान के योग विशेषज्ञ एवं कार्यकारी समिति के सदस्य सम्मिलित हुए।

सर्वप्रथम संयुक्त सचिव हिमांशु पालीवाल ने गत बैठक के प्रस्तावों का अनुमोदन करवाते हुए अभी तक की यात्रा पर प्रकाश डाला। महासचिव सुबोध तिवारी ने संगठन की कार्ययोजना एवं अपेक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया।

विधानसभाकर्मी सलीम खां हुए सेवानिवृत्त

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सेवानिवृत्ति समारोह में साफा पहनाकर, शॉल ओढाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सलीम खां का अभिनन्दन किया।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान विधान सभा के कर्मचारियों से कहा है कि वे सभी राजस्थान विधान सभा की गरिमा को बनाये रखने वाले कार्य करें। उन्होंने कहा कि निष्ठा का स्वभाव बनाएं और संस्था के प्रति समर्पित रहे। सही समय पर आना और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन कर समय पर कार्यालय से जाना ही जिम्मेदार कर्मचारी की पहचान होती है। प्रत्येक व्यक्ति में राष्ट्र प्रथम का भाव होना आवश्यक है।

देवनानी शुक्रवार को यहां विधान सभा में विधानसभा कर्मी सलीम खां के सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि अपने कार्यों को श्रेष्ठता से करके संस्थान का नाम रोशन करने का प्रयास करना चाहिए। किसी भी संस्था के कर्मी ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो संस्था भी उनके हितों का ध्यान प्राथमिकता से रखेगी। उन्होंने कहा कि विधान सभा में कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारी सौभाग्यशाली होते है। लोकतंत्र के इस मंदिर में काम करने का मौका कुछ लोगों को ही मिल पाता है। लोकतंत्र के इस पवित्र स्थल पर मनोभाव और सकारात्मक दृष्टि से काम करके निष्ठावान होने का परिचय दें। विधान सभा का प्रत्येक कर्मी सहभागिता से कार्य करें। संस्था के हित के लिए सामूहिक प्रयास करें। अपनी श्रेष्ठ क्षमताओं का उपयोग राष्ट्र के विकास में करें।

स्पीकर देवनानी ने सेवानिवृत्ति समारोह में साफा पहनाकर, शॉल ओढाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर खां का अभिनन्दन किया।

आदिवासी लोकनृत्यों ने मन मोहा

आरएएफ कैंप, लालवास में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में विभिन्न राज्यों के आदिवासी कलाकारों ने अपनी पारंपरिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया

जयपुर। आरएएफ कैंप, लालवास में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में विभिन्न राज्यों के आदिवासी कलाकारों ने अपनी पारंपरिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।यह कार्यक्रम भारत सरकार के नेहरू युवा संगठन द्वारा गृह मंत्रालय के सौजन्य से आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया। झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने अपने-अपने क्षेत्रीय नृत्य प्रस्तुत किए, जिनमें कृषि, प्रकृति, पारंपरिक आस्था और सामाजिक संदेश झलकते दिखे। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम से प्रमिला लागुर दल ने धामा-धूमेंग नृत्य प्रस्तुत किया, जो मुख्य रूप से माघे पर्व पर किया जाता है। ओडिशा के कंधमाल से कलेश मलिक दल ने दंड नृत्य और कंध नृत्य का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले से आए मनीष और उनके दल ने गोंडी नृत्य प्रस्तुत किया, जिसमें प्रकृति के सौंदर्य को दर्शाया गया। नृत्य में फूलों का खिलना, नदियों का बहना, झरनों का गिरना, और फसलों का लहराना जैसे दृश्य शामिल थे। बीजापुर की संगीता और उनके दल ने फागुन माह में आयोजित मंडई मेला को नृत्य के माध्यम से जीवंत कर दिया। इस नृत्य में बस्तर के देवता आंगा देव की पूजा, पारंपरिक आदिवासी विवाह और उनकी पारंपरिक वेशभूषा का प्रदर्शन किया गया। उर्मिला सलाम और उनके दल ने मांदरी नृत्य प्रस्तुत किया, जो बस्तर के प्रमुख त्योहारों, विशेषकर नयाखानी पर्व के दौरान किया जाता है। यह नृत्य शादी-विवाह और उत्सवों का मुख्य आकर्षण होता है। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले से आए कलाकारों ने करमा नृत्य प्रस्तुत किया।

जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल का दूसरा संस्करण 5 से

जयपुर। जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल का दूसरा संस्करण 2025 में 5 से 7 दिसंबर तक जयगढ़ फोर्ट में आयोजित किया जाएगा। इसकी घोषणा आज जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में जयपुर के हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंध निदेशक, संजॉय के. रॉय ने की।

इस अवसर पर जयपुर के हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, "मैं जेएलएफ में जिज्ञासु लोगों के बीच आकर उत्साहित हूं। जयगढ़ सिर्फ़ एक ऐतिहासिक स्मारक नहीं है; इसने सदियों से हमारे लोगों की रक्षा की है। एक संग्रहालय होने के अतिरिक्त, इसमें राज्य के लिए एक सांस्कृतिक केंद्र बनने की क्षमता भी है। यह विचार पिछले वर्ष तब सामने आया जब हमने फेस्टिवल का आयोजन किया था और अब हम पूरे भारत के कलाकारों, लोक कलाकारों और सांस्कृतिक प्रेमी लोगों का एक समुदाय बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संजॉय के. रॉय ने ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जयगढ़ फोर्ट न केवल अतीत की धरोहर है, बल्कि नवाचार का प्रतीक भी है, जहां दुनिया की सबसे बड़ी पहिए वाली तोप रखी है। उन्होंने आगंतुकों से फोर्ट को एक्सप्लोर करने और इसकी ऐतिहासिक भव्यता में पूरी तरह से खो जाने का आग्रह किया।

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रेसिडेंट एवं बिजनेस स्ट्रैटजी, वेदांता लिमिटेड रितु झिंगोन ने कहा, वेदांता जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल का हिस्सा बनकर प्रसन्न है। यह एक ऐसी पहल है जो राजस्थान की गौरवशाली धरोहर का जश्न मनाने के लिए पर्यटन, विरासत और संस्कृति को एक साथ लाती है। वेदांता में हम न केवल अपने काम को प्रदर्शित करने में विश्वास रखते हैं।

सचिवालय नगर में अवैध निर्माण रुकवाया

मुहाना गृह निर्माण सहकारी समिति के समापक और जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन शाखा ने गुरुवार को मुहाना स्थित सचिवालय नगर योजना में अवैध निर्माण व अतिक्रमण को रुकवाया।

जयपुर। मुहाना गृह निर्माण सहकारी समिति के समापक और जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन शाखा ने गुरुवार को मौके पर पहुंचकर मुहाना स्थित सचिवालय नगर योजना में अवैध निर्माण व अतिक्रमण को रुकवाया। यह अवैध निर्माण जेडीए के अनुमोदित नक्शे के विपरीत 132 के.वी. की हाइटेंशन लाइन के पास सेक्टर रोड पर हो रहा था।

मुहाना गृह निर्माण सहकारी समिति के समापक बृजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि सहकारिता मंत्री एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां को योजना में अवैध निर्माण व अतिक्रमण की शिकायतें प्राप्त हो रहीं थीं, जिसके क्रम में यह कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि मौके पर जेडीए द्वारा गार्ड नियुक्त किया गया है। साथ ही, इस संबंध में एक परिवाद भी समापक की ओर से पुलिस थाना सांगानेर में दिया गया है।

समापक ने बताया कि वैध भूखण्डधारियों की पहचान कर सूची का प्रकाशन किया जाना है। योजना में अनियमितताओं की जांच के संबंध में रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां द्वारा नियुक्त जांच अधिकारी की रिपोर्ट पर राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा आदेश पारित हो रखा है।

संशोधित परिणाम से पूर्व में चयनित शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होगी प्रभावित : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि साल 2022 की तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती लेवल-2 में चयनित होकर अध्यापन करा रहे याचिकाकर्ता शिक्षक कर्मचारी बोर्ड की ओर से हाल ही में भर्ती के जारी किए गए संशोधित परिणाम से प्रभावित नहीं होंगे। इसके साथ ही अदालत ने मामले में शिक्षा विभाग और कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश विनेश कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता हरेन्द्र ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने वर्ष 2022 में तृतीय श्रेणी शिक्षक लेवल-2 के लिए भर्ती निकाली थी। जिसमें याचिकाकर्ता चयनित हो गए और वे करीब डेढ साल से शिक्षक पद पर काम कर रहे हैं। इसी बीच कर्मचारी चयन बोर्ड ने गत 27 जनवरी को कुछ प्रश्नों के उत्तर में बदलाव होने पर भर्ती का संशोधित परिणाम जारी कर दिया। जिसके चलते याचिकाकर्ताओं को सेवा से बाहर किया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं ने नियमानुसार भर्ती परीक्षा देकर मेरिट में आकर नियुक्ति हासिल की है। यदि सवालों के जवाब बदले हैं तो उसमें याचिकाकर्ताओं की कोई गलती नहीं है। इसके अलावा एक बार नियुक्ति होने के बाद बिना विभागीय जांच कर्मचारी को सेवा से नहीं हटाया जा सकता।

कांग्रेस ने युवाओं को ठगा, जनता को जमकर लूटा : जोगाराम पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय में अपराधी और माफिया पनपे तथा जमकर भ्रष्टाचार भी हुआ। आज भजनलाल सरकार में माफिया का नहीं, जनता का राज है। जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप हमारी सरकार ने अपराधियों पर नकेल कसी है। आज कानून का ऐसा इकबाल है कि बड़े से बड़ा अपराधी हो या गैंगस्टर वो राजस्थान से या तो भाग चुका है या भाग रहा है। हमनें बजरी माफिया पर भी सख्ती से कार्रवाई की है।

पटेल ने शुक्रवार को मीडिया से वार्ता करते हुए कहा कि प्रदेश के इतिहास में यह पहला अवसर है कि किसी राज्य सरकार ने एक साल पूरा कर लिया लेकिन विपक्षी पार्टियों ने किसी भी तरह का आरोप नहीं लगाया। हमारे मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पारदर्शिता और पूर्ण जवाबदेही के साथ प्रदेश में बेहतरीन सुशासन का मॉडल स्थापित किया है। वे विकास के विजन के साथ तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सुखद है कि पहली बार आज बजट सत्र में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के अभिभाषण में कोई व्यवधान उत्पन्न नहीं हुआ।

पटेल ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय कुशासन का राज रहा और जनता त्रस्त रही। उन्होंने 5 साल के कार्यकाल में ईआरसीपी परियोजना पर एक कदम भी नहीं बढ़ाया। वहीं हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सानिध्य में 'रामजल सेतु लिंक परियोजना (एमपीकेसी परियोजना) के एमओए पर हस्ताक्षर इसका त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। इससे पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में 4 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई और 3 करोड़ से अधिक आबादी को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार ने नियमित रूप से भर्तियां निकाली और परीक्षाएं समय पर आयोजित की। हमने वर्ष 2025 में 81 हजार पदों पर होने वाली भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी नियुक्तियों की घोषणा की थी। इसमें से एक वर्ष में ही 59 हजार 236 पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। इसके अलावा 1 लाख 72 हजार 990 पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। यह बताता है कि हम जो कहते हैं, वह करते भी हैं।

विरोध जताने के लिए पोस्टर पहनकर सदन में पहुंचे विधायक

जयपुर, (वि.सं.)। 16वीं विधानसभा का तीसरा सत्र शुक्रवार से शुरू हुआ, जिसमें कुछ खास बदलाव दिखे। सदन के अंदर का कारपेट नया रंग का था और बाहर भी कुछ विधायक अलग अंदाज में नजर आए। विधानसभा का सत्र शुरू होते ही विधायकों ने विरोध लगे पोस्टर स्टीकर पहनकर पहुंचे। इस दौरान पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के दौरान बनाए गए जिलों को समाप्त करने का विरोध विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले ही तेज हो गया है। नीमकाथाना जिले को समाप्त करने के विरोध में नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी विधानसभा पहुंचे और इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने नीमकाथाना को फिर से जिला बनाने की मांग की और कहा कि नीमकाथाना सभी मापदंडों पर खरा उतरता है, लेकिन राजनीतिक द्वेष के कारण भजनलाल सरकार ने इस जिले को समाप्त कर दिया।

विधायक मोदी ने कहा कि क्षेत्रफल और जनसंख्या के हिसाब से नीमकाथाना को जिला बनाए जाने की सभी शर्तें पूरी होती हैं, फिर भी पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के द्वारा बनाए गए जिलों को समाप्त कर दिया गया। उनका कहना था कि यह निर्णय राजनीति से प्रेरित था और इस कदम से स्थानीय लोगों की समस्याएं बढ़ी हैं। नीमकाथाना में इस फैसले के विरोध में धरने और प्रदर्शन हो रहे हैं और लोग लगातार नीमकाथाना को फिर से जिला बनाने की मांग कर रहे हैं।

राज में भी अपमान हुआ, विपक्ष में था तब भाजपा मुख्यालय में भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करने दी : डॉ.किरोड़ी

- डॉ. किरोड़ी तीन फरवरी से विधानसभा की शेष बैठकों से अवकाश पर रहेंगे। इसकी अर्जी उन्होंने एक सप्ताह पहले विधानसभा अध्यक्ष को दे दी थी
- 'सरकार के हां में हां मिलाते रहो तो रिश्ते अच्छे रहते हैं। हां जी की जगह अगर ना जी की तो मर जाओगे। लेकिन मेरी ऐसी आदत नहीं रही है। मैं सच बोलता हूं'

जयपुर। कृषि मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने सरकार के खिलाफ बड़ा बयान दिया है। उन्होंने विधानसभा के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जब वे विपक्ष में थे तब वे सड़कों पर लड़ते रहे तब भी उनका अपमान हुआ था और अब राज में भी उनका अपमान हो रहा है, समय अब मिलावट का है। सरकार के हां में हां मिलाते रहो तो रिश्ते अच्छे रहते हैं। हां जी की जगह अगर ना जी की तो मर जाओगे। लेकिन मेरी ऐसी आदत नहीं रही है। मैं सच बोलता हूं। कहा कि पिछली सरकार के वक्त में विभिन्न मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरा।

उन्होंने कहा कि विपक्ष में सड़कों पर लड़ते रहे इसीलिए हमारी सरकार आई है। लेकिन जब जिन मुद्दों पर लड़ाई लड़ी वह पूरे नहीं होते तो मैं भी मुरझा जाता हूं। भ्रष्टाचार पेपर लीक एक और युवाओं के मामले हैं पिछली सरकार में वीरांगनाओं का मामला भी उठाया था तब उस वक्त मेरा अपमान हुआ और अब राज में भी अपमान हो रहा है। तब भाजपा मुख्यालय में भी मुझे प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करने दी गई। उन्होंने बीसलपुर में गार्डन के नाम पर बजरी निकालने के ठेका फर्म पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वहां कंपनी गार्डन की जगह रोजाना ढाई किलोमीटर एरिया से 7 करोड़ की बजरी निकाल रही है लेकिन सरकार को बताए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। हमारी आंखों के सामने ऐसा हो रहा है। किरोड़ी लाल गुरुवार को विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण सुनने आए थे। अब वह 3 फरवरी से विधानसभा की शेष बैठकों से अवकाश पर रहेंगे। इसकी अर्जी उन्होंने एक सप्ताह पहले विधानसभा अध्यक्ष को दे दी थी। जानकारी के अनुसार 3 फरवरी को विधानसभा अध्यक्ष उनके अवकाश की अनुमति का प्रस्ताव सदन में रखेंगे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को राजभवन में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल ने मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। वहीं दूसरी ओर राज्यपाल बागडे से नार्वे की राजदूत मे.एलिन स्टेनर ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने उनसे दुग्ध उत्पादन और पशुधन संपदा के बारे में जानकारी प्राप्त की। दोनों ने प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विकास योजनाओं के समन्वय और निवेश संभावनाओं के संबंध में चर्चा की। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज भी इस दौरान मौजूद रहे। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

लैण्ड पूलिंग योजना में शिवदासपुरा, बरखेड़ा और चंदलाई का विकास करवायेगा जे.डी.ए. प्रशासन

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने राजस्थान की पहली लैण्ड पूलिंग योजना शिवदासपुरा, बरखेड़ा और चंदलाई का विकास कार्य 29 जनवरी से शुरू करवा दिया है। यह योजना किसानों व खातेदारों के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है, जिसमें पहली बार किसान अथवा खातेदारों को अवाप्ति के बदले 45 प्रतिशत भूमि देने का प्रावधान किया गया है। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत जेडीए के जोन-14 में ग्राम शिवदासपुरा, बरखेडा, चंदलाई में 163 हैक्टेयर भूमि में पहली (प्रथम) 18 मीटर सड़क का निर्माण कार्य खातेदारों के सहयोग से प्रारम्भ किया गया। इस अवसर पर विधिवत पूजा का आयोजन किया गया, और गुजरात मॉडल की तर्ज पर पहली बार राजस्थान में लैण्ड पूलिंग योजना का विकास किया जा रहा है।

यह योजना आधुनिक नगर नियोजन का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करती है, जिसमें सुव्यवस्थित सड़कें, पार्क, और सुविधा क्षेत्रें का विकास किया जाना प्रस्तावित है। इससे न केवल क्षेत्र का समग्र विकास होगा, बल्कि स्थानीय निवासियें को भी बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।

आनंदी ने बताया कि जेडीए द्वारा समयबद्ध रूप से आगामी कुछ माह में योजना की 18 एवं 24 मीटर की सड़कों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु 28.60 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति प्राप्त कर निर्माण कार्य एजेंसी का चयन किया जा चुका है।

इसके अतिरिक्त, 17-20 जनवरी को जविप्रा का एक छः सदस्यीय दल इस योजना के अध्ययन हेतु सूरत (गुजरात) में चल रही लैण्ड पूलिंग सीमा का आधिकारिक दौरा करने गया था। दल का नेतृत्व अतिरिक्त आयुक्त एवं लैंड पूलिंग अधिकारी राजेन्द्र सिंह कविया द्वारा किया गया।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार द्वारा 13 नवंबर, 2024 को ड्राफ्ट स्कीम की अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके तहत विकास कार्यों को गति दी जा रही है। विकास कार्य प्रारम्भ किये जा चुके है तथा खातेदारों को शीघ्र ही भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी प्रारम्भ की जाएगी। यह लैंड पूलिंग योजना न केवल किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी, बल्कि यह जयपुर के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।